नगर परिषद् के अधिकारियों ने सरदार विद्यालय रोड पर पुनः निशान लगाये

अटकलें लगाई जा रहीं हैं कि रविवार को संरचनाओं को हटाने की कार्रवाई की जायेगी

कोटपूतली, (निसं)। कोटपूतली में स्थानीय नगरपरिषद् द्वारा रियासतकालीन नक्शे के अनुसार सड़कों को चौड़ा करने के लिए भू-स्वामि को बिना मुआवजा राशि तैय किये निर्माण हटाने का कार्य किया जा रहा है।

गौरतलब है कि परिषद् द्वारा मुख्य चौराहे से अग्रसेन तिराहे तक सड़क की चौड़ाई 80 फीट व पूतली कट से पूर्वा सिनेमा तक की चौड़ाई 60 फीट की जा रही है, जिसकी एवज में विगत 6 अगस्त को मुख्य चौराहे से पुरानी नगर पालिका तिराहे व शनि मंदिर से सरदार स्कूल तक की 68 संरचनाओं को ध्वस्त किया था।

उल्लेखनीय है कि प्रशासन ने इस कार्रवाई को अंजाम तब दिया जब ज्यादातर लोग नगरपरिषद को चुनौती देने के लिए न्यायालय पालिका में याचिका दायर नहीं कर पाये, क्योंकि उस दौरान न्यायालय की छुट्टियां

कोटपूतली में रामभवन के पास पुनः नाप जोख कर निशान लगाते परिषद् के अधिकारी।

घोषित थी जिसके बाद बड़े पैमाने पर व्यापारी, भवन मालिक स्वयं ही अपनी दुकान व मकान खाली करके निर्माण हटाने लगे थे।

प्रभावित सड़क मार्गों पर कई व्यापारी तो ऐसे हैं जिन्होंने कुछ समय पूर्व ही करोड़ों रुपये खर्च कर ना केवल दुकानों की रजिस्ट्री करवाई थी बल्कि नया व्यापार शुरू करने के लिए नगर परिषद् से पट्टा बनवा कर उसे रजिस्टर्ड भी करवाया था।

वहीं दूसरी ओर उक्त दोनों सड़कों को चौड़ा करने के लिए राजकीय सरदार विद्यालय से शनि मंदिर तक निर्माण हटाने को लेकर अब परिषद् द्वारा रविवार को अग्रिम कार्यवाही किये जाने की सम्भावना जताई जा रही है जोकि उस दिन छुट्टी होने के कारण लोग न्यायालय में याचिका दायर नहीं कर सकें। लेकिन उक्त मार्ग पर बताया जा रहा है कि व्यापारियों को परिषद् के कर्मचारियों द्वारा मौखिक रूप से ही प्रतिष्ठान व मकान खाली करने की हिदायत दी जा रही है। परिषद् रविवार को उच्च न्यायालय से स्टे प्राप्त भवनों को छोड़कर लगभग सभी निर्माणों को ध्वस्त करने की कार्यवाही कर सकती है।

परिषद् के अधिकारियों ने इसको लेकर शनिवार शाम राम भवन व राजकीय सरदार विद्यालय के पास भूमि की नाप जोख करते हुए पुनः निशान लगाये हैं। इस दौरान एईएन दीपक मीणा व जेईएन अनिल जोनवाल सहित परिषद् के अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद थे।

एसडीएम सहित पुलिस अधिकारी मौजूद रहे घासी की ढाणी में

शुक्रवार को गाय के अवशेष मिलने से पैदा हुआ तनाव

गांव ललवाड़ी की घासी की ढाणी में तनाव को देखते हुए तैनात पुलिस बल।

निवाई, (निसं)। गांव ललवाडी में शुक्रवार को गाय के अवशेष मिलने के पैदा हुए तनाव को देखते हुए शनिवार को भी घासी की ढाणी में पुलिस बल तैनात रहा।

पुलिस उपाधीक्षक रूद्रप्रकाश शर्मा ने बताया कि घटना के बाद पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने घासी की ढाणी ललवाडी निवासी मुंशी खां उम्र 65 वर्ष पुत्र अली खां, अकील उम्र 54 वर्ष पुत्र घासी खां, शब्बीर उम्र 47 वर्ष पुत्र खाजु खां, इस्लाम उम्र 40 वर्ष पुत्र इमाम बक्श तथा लाला उर्फ अहजाद 28 वर्ष पुत्र मुंशी खां को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस लगातार पूछताछ कर रही है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की विशेष टीम गठित की गई है जो आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। शनिवार को भी गांव ललवाडी में सुरक्षा की दृष्टि से एसडीएम रवि वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महिला सेल प्रकाशचंद्र, उनियारा पुलिस उपाधीक्षक शकील अहमद, पीपलू पुलिस उपाधीक्षक इंदु लोदी, तहसीलदार प्रांजल कंवर, निवाई थानाधिकारी अजय कुमार, बरोनी थानाधिकारी हरिराम, सदर निवाई थानाधिकारी कप्तान सिंह, दत्तवास थानाधिकारी शिवजीलाल सहित करीब 130 पुलिस के जवान घासी की ढाणी में तैनात हैं। शनिवार को अतिरिक्त जिला कलेक्टर परशुराम व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुभाषचंद्र मिश्रा ने गांव में शांति और आपसी सद्भाव बनाए रखने के लिए ग्रामीणों से शांति की अपील की।

गौकशी की घटना के बाद शुक्रवार को मौके पर पहुंचे भाजपा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पराणा के नेतृत्व में जिला प्रमुख सरोज बंसल, भाजयुमो के प्रदेश महामंत्री चंद्रवीर सिंह, नरेश बंसल, जिला महामंत्री विष्णु शर्मा, प्रभु बाडोलिया, अरनिया मंडल अध्यक्ष देवराज गुर्जर, प्रधान रामावतार लांगडी सहित कई भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मौके पर मौजूद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से गोहत्या के आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की थी।

सुराणा प्रकरण मुख्यमंत्री गहलोत पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है : अठावले

जालोर, (कासं)। केन्द्रीय सामाजिक न्याय व अधिकारिता राज्य मंत्री व आरपीआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास अठावले ने कहा कि जालोर के सुराणा में एक टीचर द्वारा मटके हाथ लगाने पर मारपीट करने से दलित छात्र की मौत हो गई। यदि राजस्थान की अशोक गहलोत की सरकार दलित को सुरक्षा नहीं दे सकती है तो उन्हें सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं है तथा राजस्थान में राष्ट्रपति शासन लागू करना चाहिए। यह बात रिपब्लिक पार्टी ऑफ इण्डिया के सुप्रीमो व केन्द्रीय राज्य मंत्री अठावले ने शनिवार को जालोर के सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि एक मासूम विद्यार्थी के साथ हुई यह घटना निंदनीय है। उन्होने उक्त घटना की रिपोर्ट केन्द्र सरकार को भेजने की बात कही। उन्होंने कहा कि एक दलित छात्र द्वारा टीचर की मटकी के हाथ लगाने से ऐसी पिटाई की कि उसकी मौत हो गई। राजस्थान सरकार से मांग करता हूं कि यदि राजस्थान सरकार दलितों को सुरक्षा नहीं दे सकती है, तो गहलोत को सत्ता में नहीं रहने के साथ राष्ट्रपति शासन लगाना चाहिए। इस घटना के बाद मुख्यमंत्री पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। दलितों पर अत्याचार नहीं होना चाहिए। यदि दलितों पर अत्याचार रोकने में कोई सरकार विफल होती है तो उन्हें सत्ता में रहने का अधिकार नहीं है। आरपीआई की तरफ से तीन लाख रुपये की सहायता राशि पीड़ित परिवार को दी जायेगी। उन्होंने सीएम को आगाह किया कि ऐसी घटना की पुनरावृति नहीं हो इसके लिए पुख्ता प्रबंध करें। उन्होंने कहा कि दोषी को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दो पहलुओं की पूर्ण व निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें घटना की पूरी जानकारी नहीं है। पीड़ित परिवार से मिलने के बाद

जालोर में केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले सुराणा प्रकरण को लेकर प्रेस से रूबरू हुए।

- रिपब्लिक पार्टी ऑफ इण्डिया के सुप्रीमो व केन्द्रीय राज्य मंत्री अठावले ने शनिवार को जालोर के सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता के दौरान यह बात कही
- केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले शनिवार को सुराणा गांव पहुंचे

पूरी जानकारी लेकर पुलिस को उक्त प्रकरण में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने को लेकर वार्ता की जायेगी। इस दौरान जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग, आरपीआई के प्रदेशाध्यक्ष राधामोहन सहित अन्य मौजूद थे।

वहीं केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले शनिवार को सुराणा गांव पहुंचे जहां उन्होंने बालक इन्द्र कुमार के परिवारजनों को सांत्वना देते हुए न्याय एवं हरसंभव सहायता दिलवाने का भरोसा दिया। इस दौरान उन्होंने परिवार जनों से मुलाकात करने के साथ ही बालक इंद्र कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने इस मामले में निष्पक्ष कार्यवाही की सुनिश्चित किए जाने की बात कही। इस प्रकार की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कड़े शब्दों में निंदा की और अधिकारियों से भी बात की।

सुराणा प्रकरण की जांच करेगी एसआईटी टीमः- जालोर जिले के सुराणा में एक दलित बालक की मौत के प्रकरण में मामला राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में आने के बाद प्रदेश सरकार ने इस मामले की जांच करवाने के लिए एसआईटी का गठन किया है। जोधपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक पी.रामजी ने आदेश जारी कर विशेष अनुसंधान दल (एसआईटी) टीम का गठन किया जिसमें सिरोही के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (प्रभारी एसआईटी) देवाराम चौधरी, पुलिस थाना रायपुर जिला पाली के थानाधिकारी जेठाराम, पुलिस थाना सदर पाली के थानाधिकारी रविन्द्रसिंह को शामिल किया गया। उन्होंने एसआईटी टीम को निर्देश दिये कि तुरंत उक्त घटनास्थल पर पहुंचकर अनुसंधान प्रारम्भ कर प्रत्येक पहलूओं की गहनता से जांच व अनुसंधान कर जानकारी उपलब्ध करावे।

क्रिश्चियनगंज थाने का घूसखोर कांस्टेबल एसीबी के हत्थे चढ़ा

अजमेर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने शनिवार को कार्यवाही करते हुए क्रिश्चियनगंज थाने के घूसखोर कांस्टेबल को 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी कांस्टेबल ने यह रिश्वत एक प्रकरण में गिरफ्तारी नहीं करने की एवज में मांगी थी, पूर्व में आरोपी 15 हजार रुपए की राशि ले चुका है। एसीबी की टीम आरोपी के ठिकानों की तलाशी ले रही है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि एसीबी की स्पेशल यूनिट अजमेर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसकी माताजी के विरुद्ध जारी 138 एनआई एक्ट के वारंट में गिरफ्तार नहीं करने की एवज में क्रिश्चियनगंज थाने का कांस्टेबल सुशील कुमार द्वारा 20 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है। इस पर एसीबी स्पेशल यूनिट अजमेर इकाई के उपअधीक्षक पुलिस राकेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन कर टीम द्वारा शनिवार को ट्रेप कार्यवाही करते हुए सुशील कुमार

घूसखोर कांस्टेबल।

- आवास एवं अन्य ठिकानों की तलाशी जारी

जाट निवासी ग्राम जारोड़ा कला पुलिस थाना मेड़ता रोड़ जिला नागौर हाल कानिस्टेबल पुलिस थाना क्रिश्चियन गंज अजमेर को परिवादी से 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि आरोपी कांस्टेबल द्वारा पूर्व में भी परिवादी की माताजी से 15 हजार रुपये रिश्वत की राशि ली थी। एसीबी के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एमएन के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ जारी है।

नकली तानसेन गुटखा फैक्ट्री पर रेड

जोधपुर, (कासं)। शहर के तनावड़ा स्थित उद्योग नगर में दो इंडस्ट्रीज के बेसमेंट में नकली गुटखा बनाने की फैक्ट्री को पुलिस ने पकड़ा है। कंम्पनी के एक प्रतिनिधि की शिकायत पर पुलिस ने रेड दी। मगर संचालक नहीं मिला। पुलिस ने फैक्ट्री से भारी मात्रा में तानसेन गुटखा, पैकिंग मशीनें, इलेक्ट्रानिक कांटा आदि जब्त किए है। इस बारे में कंपनी प्रतिनिधि की तरफ से कॉपी राइट एवं धोखाधड़ी में केस दर्ज करवाया गया है।

एसीपी बोरानाडा जेपी अटल ने बताया कि उत्तरप्रदेश के नोयडा निवासी मनजीत सिंह की तरफ से शुक्रवार को एक शिकायत दी गई थी। इसमें बताया

- संचालक फरार, कॉपी राइट एवं धोखाधड़ी में केस दर्ज

कि वह नोएडा में धर्मपाल सतपाल लिमिटेड कंपनी में प्रतिनिधि के तौर पर लगा है। कंपनी गुटखा बनाने का कार्य करती है। उसकी कंपनी का नामी गुटखा तानसेन जोधपुर में तनावड़ा स्थित उद्योग में नकली रूप से बनाकर बेचा जाता है। इसे बनाने वाला कोई बाबूलाल है जोकि विमल इंडस्ट्रीज और जगदंबा इंडस्ट्रीज चलाता है। इस शिकायत पर कुड़ी थानाधिकारी सुमेरदान के सुपरविजन में एसआई कानाराम, अल्ताफ हुसैन, हैडकांस्टेबल सुमेरसिंह, शंकरलाल आदि की टीम गठित की गई। पुलिस की टीम ने उक्त दोनों इंस्डस्ट्रीज पर एक साथ रेड दी। इनके बेसमेंट में अवैध रूप से नकली गुटखा बनाने की बात सही पाई गईं। इस पर वहां से एक पैकिंग मशीन, 5 कट्टों में भरा 100 किलो नकली गुटखा तकरीबन 11 हजार पाउच में मिला। साथ ही 25 हजार खाली मास्टर पाउच मिले। 4 रॉल नकली पाउच के और इलेक्ट्रानिक कांटा आदि मिले। एसीपी जेपी अटल ने बताया कि आरोपी मरूधर केसरी नगर निवासी बाबूलाल जाट के खिलाफ कॉपी राइट एवं धोखाधड़ी में केस दर्ज कर लिया गया। उसकी तलाश की जा रही है।

मोहता कॉलेज पर जड़ा ताला, 300 एडमिशन फर्जी का आरोप

सादुलपुर, (निसं)। जहां एक तरफ छात्र संघ चुनाव की सरगर्मियां तेजी से जारी हैं, वहीं दूसरी और छात्रों ने कॉलेज प्रशासन द्वारा मोहता महाविद्यालय सादुलपुर में फर्जी एडमिशन करने का आरोप लगाते हुए मोहता महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर तालाबंदी कर विरोध प्रदर्शन किया गया तथा कॉलेज प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए एडमिशनों की जांच की मांग की।

छात्र राहुल, योगेश व संदीप का आरोप है कि मोहता महाविद्यालय सादुलपुर (चूरू) में करीब 300 एडमिशन फर्जी दिखाए गए हैं। आरोप है कि छात्रसंघ चुनाव को लेकर दूसरी कॉलेज में अध्यनरत करने वाले छात्रों के एडमिशन मोहता कॉलेज में कर दिए गए ताकि छात्रसंघ चुनावों में किसी पक्ष को फायदा मिल सके। वहीं छात्रों ने मुख्य गेट को ताला लगाकर फर्जी एडमिशन की जाँच करवाने की मांग की तथा मोहता कॉलेज के प्राचार्य को हटाने की मांग की है। वहीं कॉलेज के तालाबंदी की मिली सूचना पर राजगढ थानाधिकारी कृष्ण कुमार बलौदा सीआई ने मौके पर पहुंच कर छात्रों की कॉलेज प्रसाशन से दो बार वार्ता करवाई, मगर वार्ता विफल रही और छात्रों ने कॉलेज का ताला खोलने से इनकार कर दिया।

फर्जी एडमिशनों की जाँच की माँग को लेकर विरोध प्रदर्शन करते छात्र।

‘कांग्रेस कहती है कि मटकी नहीं है तथा भाजपा कहती है कि घटना नहीं हुई’

जालोर में प्रेस वार्ता के दौरान सुराणा प्रकरण पर बोले आरएलपी सुप्रीमो व सांसद बेनीवाल

जालोर, (कासं)। आरएलपी सुप्रीमो व सांसद हनुमान बेनीवाल सुराणा के छात्र मृत्यु प्रकरण को लेकर जालोर में कलैक्ट्रेट के बाहर धरने पर बैठ गए। इस दौरान कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन भी जारी रहा। बेनीवाल अपनी पार्टी के तीन विधायक, पांच प्रधानों के साथ धरना देकर राज्य सरकार से सुराणा पीड़ित को भी गत दिनों उदयपुर मामले में दिए गए मुआवजे देने की मांग पर अड़े हैं।

आरएलपी सुप्रीमो व सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि जालोर में सुराणा की घटना को लेकर भाजपा का कोई नेता इस मुद्दे को लेकर नहीं बोल रहा है। भाजपा की इस प्रकार की चुप्पी अपराधियों को बचाना चाहती है। वहीं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत स्वयं को जालोर जाकर पीड़ित परिवार से मिलना चाहिए, लेकिन उन्हें पीड़ित परिवार से मिलने का समय नहीं है। सुराणा प्रकरण में भाजपा व कांग्रेस दोनों मिली होने से पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिल रहा है। आरएलपी हमेशा बिना किसी राजनीति के पीड़ित परिवार को न्याय दिलायेगी। यह बात राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो व सांसद हनुमान बेनीवाल ने शनिवार को जालोर आगमन पर प्रेस वार्ता के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं।

जालोर में आरएलपी के सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल सुराणा प्रकरण को लेकर धरने पर बैठ गए।

वहीं दूसरी तरफ राजस्थान के जालोर स्थित सुराणा में एक दलित छात्र की हत्या छुआछूत के चलते की जाती है। हम कैसा आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे है। भाजपा इस मुद्दे को लेकर एक शब्द नहीं बोल रही है। भाजपा की चुप्पी यह साबित करती है कि भाजपा अपराधियों को बचाना चाहती है। सभी पार्टियां वोट बैंक के हिसाब से राजनीति करती हैं। मैं सच्चाई तक जाने के लिए जालोर आया हूं। उन्होंने कहा कि दलितों पर कोई अत्याचार करे, उसे आरएलपी पार्टी बर्दास्त नहीं करेगी। सुराणा में एक दलित छात्र की मौत को लेकर भाजपा व कांग्रेस राजनीति कर रही है। गहलोत सरकार इस प्रकरण में मटकी को गायब करने पर तुली हुई है। मटकी की घटना छुपे नहीं उसके लिए सीबीआई जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उदयपुर की घटना पर मुख्यमंत्री स्वयं पहुंचते है, भाजपा के प्रदेश स्तरीय नेता पहुंचते है तथा सहायता राशि व नौकरी देते है। लेकिन दलित छात्र की मौत के बाद मुख्यमंत्री को आने का समय नही। उन्होंने कहा कि भाजपा की वंसुधरा व कांग्रेस के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत दोनो मिले हुए हैं। दोनो एक-दूसरे के घोटालों की जांच करने की बात करते करीब बाइस साल हो गये। भाजपा व कांग्रेस वोट बैंक की राजनीति करती है। जबकि आरएलपी हर वर्ग को न्याय दिलाने के लिए तत्पर है। भीम सेना यदि अपने दलित भाई के लिए संघर्ष कर रही है तो पुलिस व सरकार उन्हें क्यों रोक रही है। लोकतंत्र में सभी को बोलना का अधिकार है। लोकतांत्रिक पार्टी इस पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए धरना प्रदर्शन राजस्थान स्तर पर करेगी।

उन्होंने कहा कि सरकार व प्रशासन की ढिलाई के चलते यह मामला राष्ट्रीय स्तर पर आया। प्रशासन व सरकार उक्त प्रकरण में लीपापोती

- सांसद हनुमान बेनीवाल जालोर कलैक्ट्रेट पर धरने पर बैठे

करने में जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कहती है कि मटकी नहीं है तथा भाजपा कहती है कि घटना नहीं हुई है। दलित परिवार को न्याय दिलाने के लिए बेनीवाल संघर्ष के लिए तैयार है। उन्होने कहा कि मै कांग्रेस सरकार गिराने में सचिन पायलट के साथ खड़ा था। लेकिन वे वापस कांग्रेस में चले गये। वंसुधरा व सचिन पायलट दोनों अपनी-अपनी पार्टी में घुटन महसूस कर रहे हैं। उन्हे हिम्मत कर अपनी अलग पार्टी खड़ी करनी चाहिए या वे एक वीर की भांति मेरे साथ खड़े रहें। उन्होने कहा कि सुराणा जाकर घटना की पूरी जानकारी लेकर सच्चाई का पता किया जायेगा। इसके बाद आगे की रणनीति आरएलपी द्वारा बनाई जायेगी। इस दौरान प्रदेशाध्यक्ष पुखराज गर्ग के अलावा आरएलपी के तीन विधायक, पांच प्रधान सहित काफी संख्या में आरएलपी कार्यकर्ता मौजूद थे।

एक करोड़ रुपये की अवैध शराब से भरा ट्रक जब्त

बीकानेर, (कासं)। पंजाब से गुजरात जा रही करीब एक करोड़ रुपए की अवैध शराब पुलिस ने जब्त कर ली है। पंजाब और हरियाणा से गुजरात के लिए अवैध रूप से शराब भेजने का ट्रांजिट रूट बीकानेर ही बना हुआ है। पुलिस ने अब इस एरिया में सख्ती बढ़ा दी है। शनिवार सुबह गुजरात नंबर का एक कंटेनर निकल रहा था। गजनेर फांटे के पास पुलिस ने इस कंटेनर को रोककर पूछताछ की। बातचीत में संदिग्ध मिलने पर कंटेनर खोलकर देखा तो इसमें शराब मिली।

कंटेनर में अलग अलग ब्रांड की शराब की बोतलें रखी हुई थी, जिसकी गिनती अब तक चल रही है। इसकी कीमत एक करोड़ रुपए आंकी जा रही है। पुलिस ने कंटेनर के ड्राइवर बाडमेर निवासी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की गहनता से छानबीन कर रही है। बायोटेक इंडस्ट्रीज का काम करेन वाले इस कंटेनर में किसी अन्य समान की रसीदें रखी हुई थी। रास्ते में कहीं भी पूछताछ होने पर अन्य सामान की रसीद ही रखी जाती है। अवैध रूप से शराब तस्करी करने का बीकानेर ट्रांजिट रूट है। पंजाब से श्रीगंगानगर होते हुए बीकानेर, बीकानेर से जोधपुर बाडमेर के रास्ते गुजरात अवैध शराब जाती है। एक अनुमान के मुताबिक हर रोज दर्जनों ट्रक इसी मार्ग से गुजरते हैं लेकिन कभी कभार ही पुलिस कार्रवाई कर पाती है। शनिवार की कार्रवाई भी आला अधिकारियों को दी गई सूचना के आधार पर हुई है।

गोगामेड़ी मेले में 200 कैमरों से की जा रही निगरानी

सुरक्षा में लगाए 1500 पुलिसकर्मी, देशभर से आ रहे श्रद्धालु

हनुमानगढ़, (निसं)। उत्तर भारत का प्रसिद्ध गोगामेड़ी मेला परवान पर चल रहा है। मेले में 200 सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। इसके साथ विभिन्न जिलों से 1 हजार 500 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई है। इनकी मॉनिटरिंग 2 एएसपी और 7 डीएसपी कर रहे हैं। एक महीने तक चलने वाले इस मेले देशभर से करीब 10 लाख श्रद्धालु भाग लेंगे।

रक्षाबंधन के दिन शुरू हुआ गोगामेड़ी मेला एक महीने तक आयोजित होगा। कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष दो चरणों में आयोजित मेले के प्रथम चरण कृष्ण पक्ष में उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली आदि राज्यों के श्रद्धालु भाग लेते हैं, जबकि दूसरे चरण शुक्ल पक्ष में पंजाब, हरियाणा सहित अन्य राज्यों के श्रद्धालु भाग लेते हैं। गोगामेड़ी मेला जाहरवीर गोगा जी की समाधि और गुरु गोरक्षनाथ की तपस्थली दो हिस्सों में बंटा हुआ है। गोगाजी की समाधि का प्रबंध देवस्थान विभाग के पास है, जबकि गुरु गोरक्षनाथ की तपस्थली गोरखटीले का प्रबंध गोरखटीला धुना प्रन्यास संभालता है।

कोरोना संक्रमण के चलते पिछले 2 साल से मेला आयोजित नहीं हो पाया था। इस कारण इस बार श्रद्धालुओं में मेले को लेकर जोरदार उत्साह है। मेले में दूरदराज के राज्यों से पहुंच रहे

- कोरोना संक्रमण के चलते पिछले 2 साल से मेला आयोजित नहीं हो पाया था

श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न धर्मशाला में यात्रियों के ठहरने और मेडिकल की व्यवस्था की गई है। गोगामेड़ी मेले में सभी होटल पहले से ही बुक हैं इसलिए कुछ श्रद्धालु टेंट में भी ठहरे हुए हैं। पशुओं में लंपी स्कीम डिजीज के चलते गोगामेड़ी का प्रसिद्ध पशु मेला इस बार आयोजित नहीं हो रहा है और राज्य सरकार ने इस मेले पर रोक लगा दी है।

मेले में हनुमानगढ़ सहित राज्य के विभिन्न जिलों से 1 हजार 500 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। उनकी मॉनिटरिंग 2 एएसपी और 7 डीएसपी कर रहे हैं। इसके अलावा 200 सीसीटीवी कैमरों से भी मेले में निगाह रखी जा रही है। कृष्ण पक्ष में आयोजित हो रहे मेले के प्रथम चरण में मेला पूरी तरह से पीले रंग में रंगा हुआ है। प्रथम चरण में भाग लेने वाले श्रद्धालु खासकर उत्तर प्रदेश के श्रद्धालु मेले में पीले कपड़े पहन कर आते हैं और श्रद्धालु गर्मी व उमस की परवाह किए बिना डोल, डमरू, सारंगी और खड़ताल की धुन पर नाचते गाते हुए मेले में पहुंच रहे हैं।